

मध्य किशोरावस्था में अभिभावकीय शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन एवं किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण

सोनम कालरा¹, डॉ. अर्पिता जैन²

¹सहायक आचार्य, गृह विज्ञान विभाग, न्यू लुक गर्ल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसवाड़ा (राजस्थान), भारत

²सहायक आचार्य, गृह विज्ञान विभाग, श्री गोविंद गुरु गवर्नमेंट विश्वविद्यालय बांसवाड़ा (राजस्थान), भारत

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन में मध्य किशोरावस्था के माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली अभिभावकीय शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन तथा किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन हेतु राजस्थान के बांसवाड़ा शहर के चयनित निजी विद्यालयों से 14-16 वर्ष आयु वर्ग के 120 मध्य किशोरों तथा उनके माता एवं पिता का उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि द्वारा चयन किया गया। अभिभावकीय शैलियों के मापन के लिए **Parenting Style Questionnaire (PSQ)** तथा आत्म-अवधारणा के मूल्यांकन के लिए **Children's Self-Concept Scale (CSCS)** का उपयोग किया गया। संकलित आँकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन तथा युग्मित **t-परीक्षण (Paired t-test)** द्वारा किया गया।

अध्ययन के परिणामों से ज्ञात हुआ कि माता एवं पिता दोनों के द्वारा आधिकारिक (**Authoritative**) अभिभावकीय शैली का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता है, जबकि अनुमेय (**Permissive**) एवं असम्बद्ध (**Uninvolved**) अभिभावकीय शैलियों का प्रयोग अपेक्षाकृत कम पाया गया। किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि व्यवहार, लोकप्रियता तथा चिंता के आयामों का औसत स्तर अपेक्षाकृत अधिक था, जबकि खुशी एवं संतुष्टि का स्तर अपेक्षाकृत कम पाया गया।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि मध्य किशोरावस्था में संतुलित, उत्तरदायी एवं सहयोगात्मक अभिभावकीय व्यवहार को बढ़ावा देना आवश्यक है। यह अध्ययन अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यालयी

परामर्शदाताओं तथा शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करता है तथा भारतीय संदर्भ में अभिभावकीय शैलियों एवं किशोरों के आत्म-अवधारणा से संबंधित साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

कुंजी शब्द अभिभावकीय शैली, मध्य किशोरावस्था, आत्म-अवधारणा, तुलनात्मक अध्ययन

परिचय

परिवार बच्चे के समाजीकरण की प्रथम एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्था है। जन्म से लेकर किशोरावस्था तक माता-पिता का व्यवहार, स्नेह, अनुशासन, संवाद तथा मार्गदर्शन बच्चे के संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक एवं व्यक्तित्व विकास को गहराई से प्रभावित करते हैं। परिवार में प्राप्त अनुभव ही बच्चे के मूल्यों, व्यवहार, आत्मविश्वास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्माण की आधारशिला रखते हैं। इसीलिए माता-पिता को बच्चे का प्रथम शिक्षक तथा घर को उसकी प्रथम पाठशाला माना जाता है।

किशोरावस्था मानव विकास का एक महत्वपूर्ण संक्रमणकाल है, जिसमें बाल्यावस्था से वयस्कता की ओर अग्रसर होने के दौरान शारीरिक, संज्ञानात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक स्तर पर तीव्र परिवर्तन होते हैं। **World Health Organization (WHO)** के अनुसार 10 से 19 वर्ष की आयु को किशोरावस्था माना जाता है। इस अवस्था में व्यक्ति की आत्म-पहचान (**Identity**), आत्मनिर्भरता, निर्णय क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का तीव्र विकास होता है। एरिकसन (1968) के मनोसामाजिक विकास सिद्धांत के अनुसार किशोरावस्था "**Identity versus Role Confusion**" का चरण है, जिसमें व्यक्ति अपनी पहचान, जीवन मूल्यों एवं सामाजिक भूमिका का निर्माण करता है। अतः इस अवस्था में माता-पिता का मार्गदर्शन, भावनात्मक सहयोग तथा सकारात्मक पारिवारिक वातावरण किशोरों के स्वस्थ व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत आवश्यक होता है। आत्म-अवधारणा मानव विकास की एक सतत, गतिशील एवं बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक तथा नैतिक गुणों का क्रमिक विकास होता है। ऑलपोर्ट (1937) के अनुसार आत्म-अवधारणा के भीतर विद्यमान मनो-शारीरिक तंत्रों का गतिशील संगठन है, जो उसके व्यवहार एवं वातावरण के प्रति विशिष्ट अनुकूलन को निर्धारित करता है। आत्म-अवधारणा पर आनुवंशिक एवं पर्यावरणीय दोनों कारकों का प्रभाव पड़ता है, किन्तु परिवार को इसका सर्वाधिक प्रभावशाली पर्यावरणीय कारक माना गया है। परिवार में माता-पिता का स्नेह, संवाद, अनुशासन तथा सहयोग किशोरों की आत्म-अवधारणा, आत्म-सम्मान, भावनात्मक संतुलन तथा सामाजिक समायोजन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। अभिभावकीय शैली (**Parenting Style**) से आशय उन व्यवहारों, दृष्टिकोणों तथा पालन-पोषण की विधियों से है, जिनके माध्यम से माता-पिता अपने बच्चों का मार्गदर्शन, अनुशासन, संरक्षण एवं भावनात्मक समर्थन प्रदान करते

हैं। यह केवल अनुशासन स्थापित करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि माता-पिता और बच्चों के मध्य स्नेह, संवाद, उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण के संतुलित स्वरूप को भी अभिव्यक्त करती है। बॉमरिंड (Baumrind, 1967; 1971) ने अभिभावकीय शैलियों को आधिकारिक (Authoritative), सत्तावादी (Authoritarian) तथा अनुमेय (Permissive) श्रेणियों में वर्गीकृत किया। बाद में मैकोबी एवं मार्टिन (Maccoby & Martin, 1983) ने असम्बद्ध (Uninvolved/Neglectful) शैली को चौथी श्रेणी के रूप में सम्मिलित किया। आधिकारिक अभिभावकीय शैली में स्नेह, उत्तरदायित्व एवं संतुलित अनुशासन का समन्वय होता है, जबकि सत्तावादी शैली कठोर नियंत्रण एवं आज्ञापालन पर बल देती है। अनुमेय शैली में नियंत्रण अपेक्षाकृत कम होता है तथा असम्बद्ध शैली में माता-पिता की सहभागिता एवं भावनात्मक समर्थन का स्तर न्यूनतम होता है। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि अभिभावकीय शैलियाँ किशोरों के व्यक्तित्व विकास, आत्म-सम्मान, आत्म-अवधारणा, भावनात्मक संतुलन तथा सामाजिक समायोजन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। बॉमरिंड (1991) के अनुसार आधिकारिक अभिभावकीय शैली किशोरों में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक दक्षता के विकास को प्रोत्साहित करती है, जबकि सत्तावादी एवं असम्बद्ध अभिभावकीय शैलियाँ आत्म-सम्मान में कमी, भावनात्मक असुरक्षा तथा व्यवहारगत समस्याओं से संबद्ध पाई गई हैं। डार्लिंग एवं स्टीनबर्ग (1993) ने स्पष्ट किया कि अभिभावकीय शैली केवल अनुशासन का माध्यम नहीं है, बल्कि वह ऐसा पारिवारिक वातावरण निर्मित करती है जो बच्चों के मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक विकास को प्रभावित करता है। इसी प्रकार रॉबिन्सन एवं सहयोगियों (1995) ने भी उत्तरदायी एवं सहयोगात्मक अभिभावकीय व्यवहार को किशोरों के स्वस्थ व्यक्तित्व विकास से संबद्ध पाया। पेंग एवं अन्य (2021) तथा तेहरानी एवं अन्य (2024) के अनुसार यह स्पष्ट हुआ है कि जिन किशोरों को माता-पिता से पर्याप्त भावनात्मक समर्थन, खुला संवाद तथा संतुलित मार्गदर्शन प्राप्त होता है, उनमें आत्मविश्वास, सामाजिक दक्षता, भावनात्मक स्थिरता तथा जीवन-संतुष्टि का स्तर अपेक्षाकृत अधिक होता है। इसके विपरीत अत्यधिक कठोर अनुशासन, अत्यधिक नियंत्रण अथवा उपेक्षापूर्ण अभिभावकीय व्यवहार किशोरों के व्यक्तित्व विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

यद्यपि अभिभावकीय शैलियों एवं किशोरों के आत्म-अवधारणा पर अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन उपलब्ध हैं, तथापि उपलब्ध साहित्य के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश शोध पश्चिमी देशों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित हैं। भारतीय संदर्भ में, विशेषकर मध्य किशोरावस्था के किशोरों पर माता एवं पिता दोनों की अभिभावकीय शैलियों के तुलनात्मक तथा संयुक्त प्रभाव का अनुभवजन्य अध्ययन अपेक्षाकृत सीमित है। साथ ही, अधिकांश अध्ययनों में माता अथवा पिता की अभिभावकीय शैली का पृथक-पृथक

अध्ययन किया गया है, जबकि दोनों की अभिभावकीय शैलियों के समेकित प्रभाव का अध्ययन अपेक्षाकृत कम किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में "मध्य किशोरावस्था में अभिभावकीय शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन एवं किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण" किया गया है। वर्तमान सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक परिवर्तनों के संदर्भ में यह अध्ययन अत्यंत प्रासंगिक है।

इससे प्राप्त निष्कर्ष अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यालयी परामर्शदाताओं, मनोवैज्ञानिकों तथा नीति-निर्माताओं को किशोरों के सकारात्मक व्यक्तित्व विकास के लिए उपयुक्त अभिभावकीय व्यवहार एवं हस्तक्षेप रणनीतियों के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे। साथ ही, यह अध्ययन भारतीय संदर्भ में उपलब्ध साहित्य को समृद्ध करने तथा भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए एक उपयोगी आधार भी उपलब्ध कराएगा।

उद्देश्य

1. माता एवं पिता की अभिभावकीय शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. इस अध्ययन का द्वितीय उद्देश्य मध्य किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का अध्ययन करना था।

परिकल्पना

1. मध्य किशोरावस्था के बच्चों के माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली अभिभावकीय शैलियों में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. मध्य किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों के औसत अंकों में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

कार्यप्रणाली (Methodology)

वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक, तुलनात्मक एवं अनुभवजन्य शोध अभिकल्प पर आधारित है। अध्ययन का उद्देश्य मध्य किशोरावस्था में माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली अभिभावकीय शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन करना तथा किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करना था। यह अध्ययन राजस्थान के बांसवाड़ा शहर की नगर परिषद सीमा में स्थित चयनित निजी विद्यालयों में किया गया। अध्ययन हेतु उद्देश्यपूर्ण निदर्शन (Purposive Sampling Technique) विधि द्वारा 14-16 वर्ष आयु वर्ग के 120 मध्य किशोरों तथा उनके माता एवं पिता का चयन किया गया। अध्ययन में मध्यम आयु वर्ग के एकल परिवारों को सम्मिलित किया गया।

अभिभावकीय शैलियों के मापन हेतु Robinson et al. (1995) द्वारा विकसित तथा मेहता, (2020) द्वारा संशोधित Parenting Style Questionnaire (PSQ) का उपयोग किया गया। किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों के मापन हेतु Piers and Harris (1969) द्वारा विकसित आत्म-अवधारणा का मूल्यांकन Children's Self-Concept Scale (CSCS) के छह आयामों—व्यवहार, बौद्धिक एवं विद्यालयी स्थिति, शारीरिक बनावट एवं विशेषताएँ, चिंता, लोकप्रियता तथा खुशी एवं संतुष्टि के आधार पर किया गया।

संकलित आँकड़ों को Microsoft Excel में व्यवस्थित किया गया तथा उनका सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार वर्णनात्मक सांख्यिकी (माध्य एवं मानक विचलन) का उपयोग किया गया। माता एवं पिता की अभिभावकीय शैलियों की तुलना के लिए युग्मित t-परीक्षण (Paired t-test) का प्रयोग किया गया, जबकि किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी के आधार पर किया गया।

परिणाम और चर्चा

प्रस्तुत परिणाम एवं चर्चा अनुभाग वर्तमान शोध के अंतर्गत किए गए सर्वेक्षण, संकलित आँकड़ों के विश्लेषण तथा उनकी व्याख्या पर केंद्रित है। अध्ययन के अंतर्गत मध्य किशोरावस्था के बच्चों के माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली चार प्रमुख अभिभावकीय शैलियों—आधिकारिक (Authoritative), सत्तावादी (Authoritarian), अनुमेय (Permissive) तथा असम्बद्ध (Uninvolved)—का विश्लेषण किया गया। प्राप्त परिणामों से स्पष्ट हुआ कि माता एवं पिता दोनों अपने बच्चों के पालन-पोषण में इन सभी अभिभावकीय शैलियों का विभिन्न स्तरों पर प्रयोग करते हैं।

तालिका 1: माता एवं पिता की अभिभावकीय शैलियों का माध्य एवं मानक विचलन

N=120 pairs

अभिभावक शैली	समूह	N	Mean (औसत)	Std. Deviation	Std. Error Mean
आधिकारिक (Authoritative)	माता	120	4.416	0.729	0.066
	पिता	120	4.274	0.762	0.069
सत्तावादी (Authoritarian)	माता	120	2.736	0.699	0.063
	पिता	120	2.438	0.375	0.034

अनुमेय (Permissive)	माता	120	1.500	0.648	0.059
	पिता	120	1.584	0.602	0.055
असम्बद्ध (Uninvolved)	माता	120	2.158	0.614	0.056
	पिता	120	2.112	0.721	0.065

परिणामों के अनुसार, आधिकारिक (**Authoritative**) अभिभावकीय शैली का औसत मान माता (**M = 4.41**) तथा पिता (**M = 4.27**) दोनों में सर्वाधिक पाया गया। इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश अभिभावक बच्चों के साथ संवाद, सहयोग, स्नेह एवं उचित अनुशासन पर आधारित पालन-पोषण शैली अपनाते हैं।

सत्तावादी (**Authoritarian**) अभिभावकीय शैली का औसत स्तर अपेक्षाकृत मध्यम पाया गया। यह दर्शाता है कि कुछ अभिभावक बच्चों के पालन-पोषण में अनुशासन, नियंत्रण एवं नियमों पर अधिक बल देते हैं, यद्यपि इसका स्तर अधिकारपूर्ण शैली से कम है।

अनुमेय (Permissive) अभिभावकीय शैली का औसत मान अन्य शैलियों की तुलना में अपेक्षाकृत कम पाया गया। इससे संकेत मिलता है कि अधिकांश माता-पिता बच्चों को अत्यधिक स्वतंत्रता देने अथवा अनुशासन में शिथिलता बरतने की प्रवृत्ति कम अपनाते हैं।

इसी प्रकार असम्बद्ध (**Uninvolved**) अभिभावकीय शैली का स्तर भी अपेक्षाकृत निम्न पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश अभिभावक बच्चों के पालन-पोषण में सक्रिय सहभागिता बनाए रखते हैं तथा असम्बद्ध व्यवहार अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है।

परिकल्पना

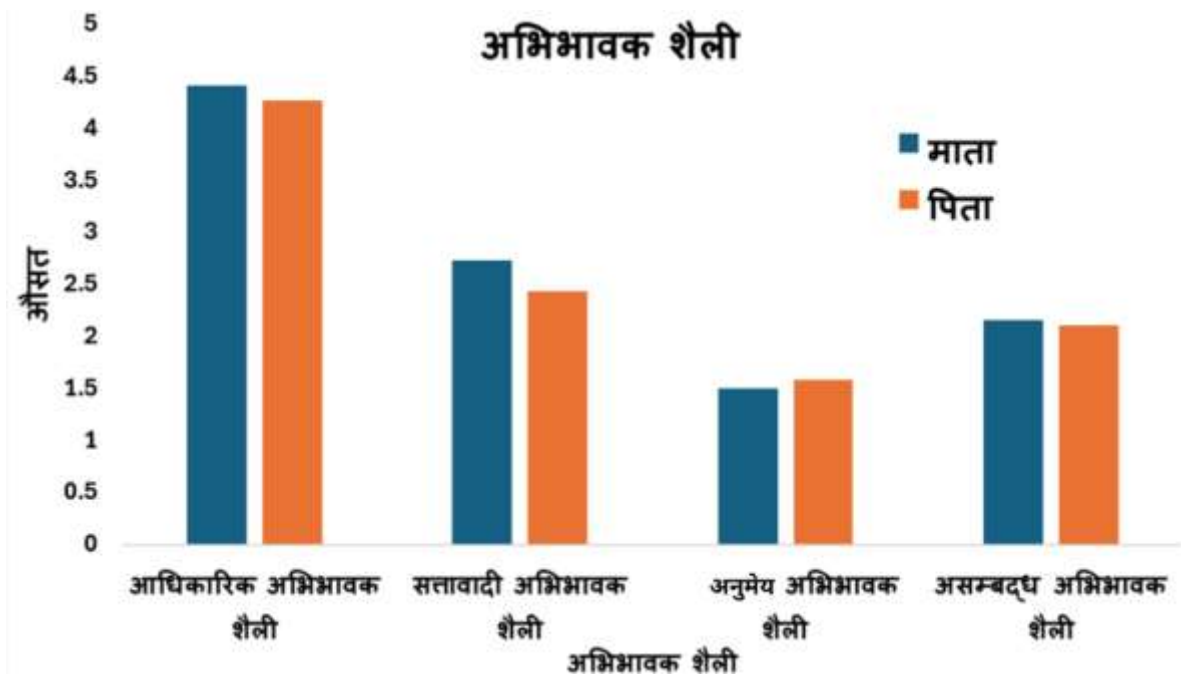
परिकल्पना (**H1**). मध्य किशोरावस्था के बच्चों के माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली अभिभावकीय शैलियों में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

अध्ययन के निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि मध्य किशोरावस्था के बच्चों के माता एवं पिता अपने पालन-पोषण व्यवहार में विभिन्न अभिभावकीय शैलियों का प्रयोग करते हैं, किन्तु इनमें आधिकारिक (**Authoritative**) अभिभावकीय शैली सर्वाधिक प्रचलित है। यह निष्कर्ष पूर्ववर्ती साहित्य में वर्णित आधिकारिक अभिभावकीय शैली की विशेषताओं के अनुरूप है, जिसमें स्नेह, संवाद एवं संतुलित अनुशासन पर बल दिया जाता है।

तालिका 2. : माता एवं पिता की पालन-पोषण शैलियों की तुलना हेतु युग्मित प्रतिदर्श t-परीक्षण

पालन-पोषण शैली	माता (Mean $\pm$ SD)	पिता (Mean $\pm$ SD)	T	Df	P
आधिकारिक	4.416 $\pm$ 0.729	4.274 $\pm$ 0.762	1.581	119	0.117
सत्तावादी	2.737 $\pm$ 0.699	2.438 $\pm$ 0.375	4.103	119	0.001
अनुमेय	1.500 $\pm$ 0.648	1.584 $\pm$ 0.602	-1.001	119	0.319
असम्बद्ध	2.158 $\pm$ 0.614	2.112 $\pm$ 0.721	0.542	119	0.589

चित्र 1 : समग्र पालन-पोषण शैलियाँ



परिणामों के अनुसार, आधिकारिक (Authoritative), अनुमेय (Permissive) तथा असम्बद्ध (Uninvolved) अभिभावकीय शैलियों में माता एवं पिता के बीच सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं पाया गया ($p > 0.05$)। इसके विपरीत, सत्तावादी (Authoritarian) अभिभावकीय शैली में माता एवं पिता के बीच सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर पाया गया ($p = 0.001$)। अतः परिकल्पना (H_1) आंशिक रूप से अस्वीकृत की जाती है।

2. मध्य किशोरों के आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करना।

इस अध्ययन का द्वितीय उद्देश्य मध्य किशोरों के आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का अध्ययन करना था। आत्म-अवधारणा का मूल्यांकन Self-Concept Inventory के छह आयामों-व्यवहार, बौद्धिक एवं

विद्यालयी स्थिति, शारीरिक बनावट एवं विशेषताएँ, चिंता, लोकप्रियता तथा खुशी एवं संतुष्टि-के आधार पर किया गया।

तालिका 3 :मध्य किशोरों के आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का अध्ययन

क्रमसंख्या S.No	क्षेत्र (उप-पैमाना) (Areas)	मर्दों की संख्या (Question Number)	औसत (Mean)	मानक विचलन (S.D)
1	व्यवहार (Behavior)	16	1.52	0.50
2	बौद्धिक और विद्यालयी स्थिति(Intellectual and School Status)	18	1.43	0.49
3	शारीरिक बनावट और विशेषताएँ(Physical Appearance and Attributes)	12	1.45	0.49
4	चिंता (Anxiety)	12	1.50	0.50
5	लोकप्रियता (Popularity)	12	1.51	0.50
6	खुशी और संतुष्टि (Happiness and Satisfaction)	10	1.40	0.65
	कुल आत्म - अवधारणा (Total Self Concept)	80		

मध्य किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों के औसत मानों में भिन्नता पाई गई। व्यवहार (Mean = 1.52) तथा लोकप्रियता (Mean = 1.51) के औसत मान अपेक्षाकृत अधिक रहे, जबकि खुशी एवं संतुष्टि (Mean = 1.40) का औसत मान अपेक्षाकृत कम पाया गया। चूँकि विभिन्न आयामों के बीच सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर की जाँच हेतु कोई पृथक परीक्षण प्रस्तुत नहीं किया गया है, इसलिए इन औसत मानों के आधार पर परिकल्पना (H2) को अस्वीकृत नहीं किया जा सकता। अतः H2 के संबंध में उपलब्ध परिणामों को वर्णनात्मक निष्कर्ष के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य मध्य किशोरावस्था में माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली अभिभावकीय शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन करना तथा मध्य किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करना था। अध्ययन के परिणामों से स्पष्ट हुआ कि माता एवं पिता दोनों अपने बच्चों के पालन-पोषण में विभिन्न अभिभावकीय शैलियों का प्रयोग करते हैं, किन्तु

आधिकारिक (Authoritative) अभिभावकीय शैली का प्रयोग सर्वाधिक पाया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि अधिकांश अभिभावक बच्चों के पालन-पोषण में स्नेह, संवाद, उत्तरदायित्व तथा संतुलित अनुशासन को महत्व देते हैं। इसके विपरीत अनुमेय (Permissive) एवं असम्बद्ध (Uninvolved) अभिभावकीय शैलियों का प्रयोग अपेक्षाकृत कम पाया गया।

अध्ययन में मध्य किशोरों की आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि व्यवहार, लोकप्रियता तथा चिंता के आयामों का औसत स्तर अपेक्षाकृत अधिक था, जबकि खुशी एवं संतुष्टि का औसत स्तर अपेक्षाकृत कम पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि आत्म-अवधारणा के विभिन्न आयामों में भिन्नता विद्यमान है तथा प्रत्येक आयाम किशोरों के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों को अभिव्यक्त करता है।

समग्र रूप से यह अध्ययन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि मध्य किशोरावस्था में माता एवं पिता द्वारा अपनाई जाने वाली अभिभावकीय शैलियों का स्वरूप भिन्न-भिन्न हो सकता है, किन्तु अध्ययन में आधिकारिक (Authoritative) अभिभावकीय शैली का औसत मान माता एवं पिता दोनों में अन्य अभिभावकीय शैलियों की तुलना में अधिक पाया गया। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यालयी परामर्शदाताओं एवं शोधकर्ताओं के लिए एक उपयोगी आधार प्रदान करते हैं तथा भारतीय संदर्भ में अभिभावकीय शैलियों एवं किशोरों की आत्म-अवधारणा से संबंधित उपलब्ध साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Baumrind, D. (1971). Current patterns of parental authority. *Developmental Psychology*, 4(1, Pt. 2), 1–103. <https://doi.org/10.1037/h0030372>
2. Darling, N., & Steinberg, L. (1993). Parenting style as context: An integrative model. *Psychological Bulletin*, 113(3), 487–496. <https://doi.org/10.1037/0033-2909.113.3.487>
3. Maccoby, E. E., & Martin, J. A. (1983). Socialization in the context of the family: Parent–child interaction. In P. H. Mussen (Ed.), *Handbook of child psychology: Vol. 4. Socialization, personality, and social development* (pp. 1–101). Wiley.
4. Peng, B., Hu, N., Yu, H., Xiao, H., & Luo, J. (2021). Parenting style and adolescent mental health: The chain mediating effects of self-esteem and psychological inflexibility. *Frontiers in Psychology*, 12, 738170. <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2021.738170>
5. Piers, E. V., & Harris, D. B. (1969). *Piers-Harris Children's Self-Concept Scale: The way I feel about myself*. Counselor Recordings and Tests.
6. Robinson, C. C., Mandleco, B., Olsen, S. F., & Hart, C. H. (1995). Authoritative, authoritarian, and permissive parenting practices: Development of a new measure. *Psychological Reports*, 77(3), 819–830. <https://doi.org/10.2466/pr0.1995.77.3.819>
7. Erikson, E. H. (1968). *Identity: Youth and crisis*. W. W. Norton.
8. Allport, G. W. (1937). *Personality: A psychological interpretation*. Henry Holt and Company.